E -100 Marks
Batch – 2020-21 / 2021-22/2022-23

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी

प्रथम वर्ष

सत्र – १

परीक्षा : मई – २०२४

विषय : प्राचीन काव्य – (भाग–१) (HDS - 102)

दि.: २५/०५/२०२४ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ 'पद्मावत' काव्य की कथावस्तु पर प्रकाश डालते हुए, उसमें चित्रित प्रेम भावना की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

प्र. २ 'पद्मावत' काव्य में अभिव्यक्त रहस्य वाद को स्पष्ट करते हुए, उसमें चित्रित प्रकृति के रूप को सोदाहरण विशद कीजिए।

प्र. ३ महाकाव्य के रूप में 'पद्मावत' रचना का सोदाहरण निरूपण कीजिए।

प्र. ४ कबीर की भक्तिभावना का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

प्र. ५ कबीर की रचनाओं में अभिव्यक्त रहस्यवाद को स्पष्ट कीजिए।

प्र. ६ कबीर की काव्यकला को विशद कीजिए।

प्र. ७ 'विनय पत्रिका' में चित्रित भक्तिभाव का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

प्र. ८ 'विनय पत्रिका' के रचना के उद्येश्य को स्पष्ट करते हुए, उसमें अभिव्यक्त भक्ति और दर्शन के भावों को विशद कीजिए।

प्र. ९ निम्नलिखित में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

१. तरिवर सबै मलै गिरि लाए।
मै जग छाँह रैनि होइ छाए।।

२. सतगुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपगार। लोचन अनंत उघारिया, अनंत दिखावन हार।।

३. पंडित भूले पढ़ि गुनि वेदा, आपु अपनापौ जान न भेदा।

४. जो निज मन परिहरै विकारा। तौ कत जनित संसृतिदुख, संसय सोक अपारा।।

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१. 'पद्मावत' में प्रकृति चित्रण

२. हिंदी संत साहित्य में कबीर का स्थान

३. 'विनय पत्रिका' में दर्शन

४. रामभक्ति काव्य में 'विनय पत्रिका' का महत्त्व